<u>आकाशवाणी - बार-बार पूछे जाने प्रश्न</u>

1. **क्या लोग लोकप्रिय रेडियो चैनलों को देश में कहीं भी सुन सकते हैं?**

   - जी हां, कोई व्यक्ति, जिसके पास आवश्यक हार्डवेयर हो, डीडी+डीटीएच पर उपलब्ध 21 फ्री-टू-एयर रेडियो चैनलों को सुन सकता है। ये सिगनल अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह को छोड़कर पूरे देश भर में उपलब्ध हैं।

2. **डीडी+डीटीएच प्लेटफार्म पर उपलब्ध फ्री-टू-एयर चैनल कौन से हैं?**

   - विविध भारती सेवा, तेलगु, मराठी, तमिल, गुजराती, एफएम रेनबो (दिल्ली), पंजाबी, एफएम गोल्ड (दिल्ली), कन्नड़, बंगाली, हिन्दी, एनई सेवा, मलयालम, असमी, एफएम रेनबो (चेन्नई), एफएम गोल्ड (मुंबई), रेडियो कश्मीर, रागम, एफएम रेनबो (बंगलौर), ऊर्दू, उड़िया।

3. **डीडी+डीटीएच प्लेटफार्म पर उपलब्ध फ्री-टू-एयर रेडियो चैनलों को प्राप्त करने के लिए किस किस्म का हार्डवेयर अपेक्षित है?**

   आमतौर पर, निम्नलिखित हार्डवेयर अपेक्षित है :

   - एलएनबी कनवर्टर के साथ 60-90 सेमी डिश
   - सेट-टाप बॉक्स (एसटीबी)
   - टीवी सेट

4. **क्या डीडी+डीटीएच प्लेटफार्म पर उपलब्ध फ्री-टू-एयर चैनल प्राप्त करने के लिए टीवी सेट आवश्यक है?**

   - सदैव नहीं, इन दिनों बाजार में एकीकृत सेट-टाप बॉक्स (अंदर निर्मित रिसीवरों के साथ) भी उपलब्ध हैं।

5. **क्या लोग आकाशवाणी कार्यक्रमों को देश के बाहर भी सुन सकते हैं?**

   - जी, हां, आकाशवाणी के कार्यक्रमों को पड़ौसी देशों, एशिया, अफ्रीका, यूके और पश्चिम यूरोप को शार्ट वेव सिगनलों के माध्यम से बीम किया जाता है।

6. क्या आकाशवाणी किसी किस्म की परामर्शी सेवा प्रदान करता है?

- जी, हां, आकाशवाणी का 'एआईआर संसाधन' प्रभाग प्रसारण के क्षेत्र में परामर्शी और टर्नकी समाधान प्रदान करता है।

7. आकाशवाणी स्टाफ को प्रशिक्षण कैसे प्रदान करता है?

- स्टाफ प्रशिक्षण संस्थान (एसटीआई), दिल्ली तकनीकी और कार्यक्रम स्टाफ के लिए सर्वाधिक रूप से आंतरिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का संचालन करता है, इसके अलावा, भुवनेश्वर, शिलांग, लखनऊ और मुंबई में क्षेत्रीय एसटीआई हैं।

8. क्या यह अन्य बाहरी प्रसारकों के लिए किन्हीं प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का संचालन करता है?

- जी, हां, एसटीआई देश के अंदर निजी प्रसारकों और पड़ोसी देशों से प्रसारकों के लिए पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। वास्तव में इसके पास वैयक्तिक प्रसारण संगठनों की अपेक्षा के अनुरूप प्रथागत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करने की विशेषज्ञता है।

9. क्या विद्यार्थियों या अव्यवसायी प्रसारण उत्साही के लिए किसी पाठ्यक्रम को संचालित किया जाना है?

- एसटीआई नियमित रूप से इंजीनियरी कॉलेजों और पॉलिटेक्निकों के विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्म प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संचालित करता है जिनमें उन्हें प्रसारण इंजीनियरों विषयों पर पढ़ाया जाता है और प्रसारण इंजीनियरी में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है। उन्हें क्षेत्र दौरों के लिए प्रसार भारती के विभिन्न श्रवण/दृश्य प्रसारण प्रतिष्ठानों में भी ले जाया जाता है।

10. क्या इन ग्रीष्म प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए कोई फीस या प्रभार है?

- वर्तमान में विद्यार्थियों से पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए 500.00 रुपए प्रति सप्ताह बहुत नाममात्र की फीस ली जाती है, जो उनकी आवश्यकता के अनुसार 6 से 8 सप्ताह का हो सकता है। विद्यार्थियों को 5000 रु. प्रति परियोजना प्रति प्रशिक्षण की फीस पर परियोजना आधारित प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा सकता है।

11. दिल्ली के बाहर से आने वाले उम्मीदवारों के लिए आवास/छात्रावास आदि के बारे में क्या व्यवस्था है?

- एसटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्धता के आधार पर छात्रावास की सुविधाएं प्रदान करता है।

12. अन्तर्राष्ट्रीय संबद्धता के बारे में क्या व्यवस्था है?

- एसटीआई विभिन्न देशों में ख्याति-प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय प्रसारण निकायों जैसे एबीयू, आईएबीएम और एआईबीडी जैसे निकायों के सहयोग से भागीदारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रमों का संचालन भी करता है। प्रसारण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में एसटीआई द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण का अंतर्राष्ट्रीय रूप से अत्यधिक महत्व है।